मोहयाल मित्र

जनरल मोहयाल सभा का 125वाँ स्थापना-दिवस और 52वीं कांफ्रेंस

उत्साह-उमंगों से झूम उठे मोहयाल

■ **अशोक लव**

'मेरे पिता दत्त साहब (श्री सुनील दत्त) बताते थे कि हम मोहयाल हैं। हम योद्धा ब्राह्मण हैं। कर्बला के युद्ध में हमारे पूर्वज रिहाब दत्त ने हुसैन साहब का साथ दिया था। उनके सात बेटे युद्ध में शहीद हो गए थे। हम 'हुसैनी ब्राह्मण' हैं। हम सभी धर्मों का आदर करने वाले मोहयाल हैं। मैं जल्दी ही 'रिहाब सिंह दत्त, योद्धा मोहयाल' फ़िल्म बनाऊँगा। स्वर्गीय सुनील दत्त की ओर से उन्हें दिए गए 'मोहयाल रत्न' सम्मान को ग्रहण करते हुए अभिनेता संजय दत्त ने अपने मोहयाल होने पर गर्व प्रकट करते हुए कहा। उन्होंने आगे कहा "मैं जनरल मोहयाल सभा की 'यूथ विंग' के साथ जुडूँगा। मुझे जब भी बुलाया जाएगा, मैं इसके कार्यक्रमों में ज़रूर पहुँचूंगा।" संजय दत्त द्वारा की घोषणा का स्वागत दर्शकों ने तालियाँ बजाकर किया। तालकटोरा स्टेडियम में उपस्थित लगभग तीन हज़ार मोहयालों का उत्साह देखते बनता था।

रायज़ादा बी.डी. बाली (अध्यक्ष जी.एम.एस.) और मेहता ओ.पी. मोहन (अध्यक्ष स्थापना–दिवस और कांफ्रेंस) से संजय दत्त ने स्वर्गीय सुनील दत्त को दिए 'मोहयाल रत्न' सम्मान ग्रहण किया। उन्हें स्मृति–चिह्न और प्रशस्ति–पत्र भेंट किया गया। इस अवसर पर संजय दत्त को भी स्मृति–चिह्न भेंट करके सम्मानित किया गया।

फ़िल्मों के माध्यम से लोगों के दिलों को छू जाने वाले गीतकार, हज़ारों गीतों के रचनाकार श्री आनंद बक्शी को 'मोहयाल रत्न' से सम्मानित किया गया। रायज़ादा बी.डी. बाली और मेहता ओ.पी. मोहन ने श्री आनंद बक्शी के दोहते श्री सिद्धांत को स्मृति–चिह्न और प्रशस्ति–पत्र भेंट किए। इससे पहले सुरभि मेहता ने श्री सुनील दत्त और श्री आनंद बक्शी की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए 'प्रशस्ति–पत्र' पढ़े।

जनरल मोहयाल सभा के 125वें स्थापना–दिवस और 52वीं अखिल भारतीय मोहयाल कांफ्रेंस की अध्यक्षता मेहता ओ.पी. मोहन (पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष, जी.एम.एस.) ने की। ले.जन. एच. सी. दत्ता और मेहता डी.वी. मोहन विशिष्ट–अतिथि थे। कार्यक्रम का शुभारंभ समारोह अध्यक्ष मेहता ओ.पी. मोहन और विशिष्ट–अतिथियों द्वारा मोहयाल–ध्वज फहराकर किया गया। उपस्थित सैंकड़ों मोहयालों ने मोहयाल–प्रार्थना पढ़ी। इसके पश्चात् अध्यक्ष और विशिष्ट–अतिथियों ने दीप–प्रज्वलित किया। ब्लू बर्ड स्कूल फ़रीदाबाद के विद्यार्थियों ने प्रभावशाली नृत्य द्वारा गणेश–वंदना की।

जी.एम.एस. अध्यक्ष रायज़ादा बी.डी. बाली ने देश के कोने–कोने से आए मोहयालों का स्वागत करते हुए कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि 'हम अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित जनरल मोहयाल सभा का 125वाँ स्थापना–दिवस मना रहे हैं। यह उनका आशीर्वाद है कि आज हमने इतनी तरक्की कर ली है। जी.एम.एस. ने आश्रम और भवन बना लिए हैं। हम ज़रूरतमंदों की मदद कर रहे हैं। हमारी नीयत ठीक थी, हमारे इरादे नेक थे इसलिए भगवान ने भी हमें आशीर्वाद दिया है। हमारे लिए गर्व की बात है कि आज हमने दो महान मोहयालों श्री सुनील दत्त और श्री आनंद बक्शी को 'मोहयाल रत्न' से सम्मानित किया है। खुशी की बात यह है कि संजय दत्त ने आकर अपने पिता के सम्मान को ग्रहण किया है। मोहयाल कहीं भी हों, वे अपनी खास पहचान बना लेते हैं। श्री आनंद बक्शी जी ने अपने गीतों द्वारा लोगों के दिलों को छू लिया था तो श्री सुनील दत्त ने अपने अभिनय द्वारा फ़िल्म इंडस्ट्री को बहुत बड़ा योगदान दिया था। उनकी राजनीतिक छवि साफ़–सुथरी थी। वे पहले मोहयाल थे जिन्हें केंद्रीय सरकार में मंत्री बनाया गया था।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

उन्होंने कहा कि हम मार्शल कौम हैं। हम संख्या में कम हैं पर हमने देश को गवर्नर दिए हैं, जनरल दिए हैं, उद्योगपति दिए हैं, उच्च अधिकारी दिए हैं। जनरल मोहयाल सभा आपके सहयोग से आगे बढ़ रही है और बढ़ती रहेगी।

51वीं ऑल इंडिया मोहयाल कांफ्रेंस के अध्यक्ष और जी.एम. एस. के उपाध्यक्ष ले. जनरल जी.एल. बक्शी ने पिछली कांफ्रें और आज की कांफ्रेंस के बीच हुए जी.एम.एस. के कार्यों की प्रगति के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मैं आज अपना उत्तरदायित्व 52वीं कांफ्रेंस के अध्यक्ष मेहता ओ.पी. मोहन को सौंपता हूँ। उन्होंने मोहयालों का आह्वान किया कि वे तन–मन से अपने समाज की एकता के लिए काम करें और जी.एम.एस. के साथ जुड़ें।

स्थापना–दिवस और कांफ्रेंस के अध्यक्ष मेहता ओ.पी. मोहन ने जनरल मोहयाल सभा के साथ अपने 38 वर्षों के महत्वपूर्ण संबंधों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वे 'मोहयाल मित्र' के संपादक रहे और सीनियर वाइस प्रेज़ीडेंट के रूप में अनेक प्रोजेक्टज़ के साथ जुड़े रहे। उन्होंने युवाओं को समाज की तरक्की के कामों में सक्रिय होने के लिए कहा और स्थानीय मोहयाल सभा के कामों की प्रशंसा की। (विस्तृत भाषण अलग से छपा है)

विशिष्ट–अतिथि ले. जनरल एच.सी. दत्ता ने जी.एम.एस. के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि रायज़ादा बी.डी. बाली के कुशल नेतृत्व से जी.एम.एस. इतने काम कर सकी है।

सेक्रेटरी जनरल ले. कर्नल एल.आर. वैद ने रिपोर्ट प्रस्तुत की।

रायज़ादा बी.डी. बाली, मेहता ओ.पी. मोहन और अन्य गणमान्य अतिथियों और जी.एम.एस. पदाधिकारियों ने स्मारिका, कैलेंडर, जी.एम.एस. प्रगति–प. का लोकार्पण किया। उन्होंने मेजर जनरल जी.डी. बक्शी और एस.पी. वैद की पुस्तकों का भी लोकार्पण किया।

मोहयाल सभा खन्ना की ओर से श्री विनोद दत्त ने रायज़ादा बी.डी. बाली को पगड़ी पहनाकर और स्मृति–चिह्न देकर सम्मानित किया। रायज़ादा बी.डी. ने मेहता ओ.पी. मोहन, ले. जनरल एच.सी. दत्ता और मेहता धर्मवीर मोहन को स्मृति–चिह्न देकर सम्मानित किया। जी.एम.एस. के वाइस प्रेज़ीडेंट और समारोह के आयोजक श्री पी.के. दत्ता ने सबको शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

श्री पी.के. दत्ता ने कहा कि खुशी की बात है कि आज के समारोह में युवा बड़ी संख्या में आए हैं। यह मोहयालियत के उज्ज्वल भविष्य का सूचक है। अपनी संस्कृति को सुरक्षित और जीवंत बनाए रखने के लिए जी.एम.एस. जो कदम उठा रही है उसमें आप सब यथायोग्य योगदान करें।

मेजर जनरल जी.डी. बक्शी और श्री आदित्य बक्शी द्वारा 'मोहयाल हिस्ट्री' डाक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया। इसमें पौराणिक काल से वर्तमान काल तक मोहयालों के इतिहास को दर्शाया गया। तालकटोरा इनडोर स्टेडियम खचाखच भरा था। डाक्यूमेंट्री में मोहयालों का इतिहास सजीव हो उठा। दर्शक रह–रहकर तालियाँ बजा रहे थे और अपने अतीत और वर्तमान पर गर्वित हो रहे थे।

125वें स्थापना–दिवस और 52वीं कांफ्रेंस के अवसर पर 'जनरल मोहयाल सभा' की ओर से मोहयाल रत्न, लाइफ़ टाइम एचीवमेंट अवार्ड, एक्सीलेंस इन प्रोफ़ेशनल एचीवमेंट, मोहयाल गौरव, मोहयाल सेवा पुरस्कार, मोहयाल युवा पुरस्कार और मोहयाल स्पोर्टस अवार्डज़ से मोहयालों को सम्मानित किया गया। पाकिस्तान से आए श्री रविंदर छिब्बर और उनके परिवार को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सांस्कृतिक–कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका संयोजन–संचालन नीलिमा दत्ता मेहता ने किया था। ब्लू बर्ड स्कूल फ़रीदाबाद द्वारा पुष्प–होली नृत्य प्रस्तुत किया गया जिसने सबको प्रभावित किया। इस अवसर पर लक्की ड्रा निकाले गए जिसका आयोजन योगेश मेहता ने किया। पुरस्कार श्रीमती नीता बाली और रायज़ादा बी.डी. बाली की ओर से दिए गए।

श्री पी.के. दत्ता ने आयोजन को सफल बनाने के लिए जी.एम. एस. मैनेजिंग कमेटी के सदस्यों, स्थानीय मोहयाल सभाओं के पदाधिकारियों और सदस्यों तथा जी.एम.एस. की आयोजन–समिति के सदस्यों का धन्यवाद किया। उन्होंने कुशल मार्गदर्शन के लिए रायज़ादा बी.डी. बाली का धन्यवाद किया। उन्होंने मेहता ओ.पी. मोहन, ले. जनरल एच.सी. दत्ता और मेहता धर्मवीर मोहन का आभार प्रकट किया। उन्होंने समारोह के कुशल संचालन के लिए अशोक लव का भी धन्यवाद किया।

धन्यवाद–ज्ञापन से पूर्व रक्षा–विशेषज्ञ मेजर जनरल जी.डी. बक्शी ने मोहयालों को संबोधित किया। सब उनके भाषण की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। उनके जोशीले भाषण ने श्रोताओं में उत्साह भर दिया और पूरा स्टेडियम 'भारत माता की जय' और 'जय मोहयाल' के नारों से गूँज उठा।

'जनरल मोहयाल' सभा के इहिास में इस समारोह ने एक और उपलब्धियों भरा सुनहरा पृष्ठ जोड़ दिया है। देश के मोहयालों को एक झंडे के नीचे एकत्र करने का यह ऐतिहासिक अवसर था, जिसकी सबने प्रशंसा की। ऐसे आयोजन मोहयाली–एकता, भाई–चारे और अपनत्व को सुदृढ़ करते हैं। इस ऐतिहासिक आयोजन का संचालन करते हुए मैंने मोहयालों के जिस उत्साह को निकट से देखा और महसूस किया है, उसके लिए अपनी लिखी ये पंक्तियाँ पूर्णतया उपयुक्त लगती हैं–

ज्ञानी हैं, योद्धा हैं, यह मोहयाल बलवाले हैं,
उत्साह और उमंगों भरे, मोहयाल निराले हैं,
मोहयालों की रगों में ऋषियों का खून बहता है,
मोहयाल–ध्वज फहराते, मोहयाल मतवाले हैं।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्री ओ.पी. मोहन जी का अध्यक्षीय भाषण (संक्षिप्त)

प्रिय मोहयाल भाइयो, बहनो, युवाओ और बच्चो

मुझे गर्व है कि मैं मोहयालों की सबसे महान और हमारे दूरदर्शी पूर्वजों द्वारा स्थापित संस्था की 52वीं 'ऑल इंडिया मोहयाल कांफ्रेंस' और '125वें स्थापना–दिवस' की अध्यक्षता कर रहा हूँ। इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं यहाँ उपस्थित सभी मोहयाल बंधुओं तथा विशिष्ट–अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ।

जनरल मोहयाल सभा से मेरा संबंध लगभग 38 वर्षों का है। ये 38 वर्ष मेरे जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष बन गए हैं। इन वर्षों में मुझे अपनी मोहयाल बिरादरी की सेवा करने का अवसर कई रूपों में प्राप्त हुआ है। यों तो मोहयाली संस्कार मुझे बचपन से ही पूज्य पिता श्रद्धेय तीर्थराम मोहन से विरासत में मिले थे; जो सन् 1928 में क्वेटा मोहयाल सभा के पदाधिकारी ही नहीं, वरन् जनरल मोहयाल सभा के आजीवन सदस्य भी थे परन्तु इस महान मोहयाल संस्था के साथ जुड़ने का श्रेय मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी को जाता है जिनकी प्रेरणा से मुझे सन् 1979 में इस संस्था से सक्रिय रूप से जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हो सका।

रायज़ादा बी.डी. बाली जी की खासियत यह रही है कि उन्होंने समय–समय पर योग्य मोहयालों को जी.एम.एस. से जोड़ा तथा उन्हें बिरादरी की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। यहाँ यदि मैं यह कहूँ तो गलत नहीं होगा कि जिस मोहयाल सभा की स्थापना सन् 1891 में मुंशी बख्शी रामदास जी द्वारा की गई थी, आज जिन ऊँचाइयों को (Consolidation, stability and creditability) यह संस्था छू रही है; उसका श्रेय रायज़ादा बी.डी. बाली जी को ही जाता है।

देश के विभाजन के बाद जी.एम.एस. के पास तकरीबन दो लाख के ट्रस्ट थे। 'मोहयाल भवन' इंद्रपुरी खस्ता हालत में था। उन दिनों चुनाव नहीं होते थे– मैंनेजिंग कमेटी के मेम्बर सर्वसम्मति से चुन लिए जाते थे। इस तरह मोहयाल सभा दिन–ब–दिन तरक्की करती चली गई।

'जनरल मोहयाल सभा' की मासिक पत्रिका– 'मोहयाल मित्र' लगभग 100 वर्षों से प्रकाशित हो रही है। पत्रिका शुरूआत में उर्दू भाषा में छपती थी; जो बाद में अंग्रेज़ी भाषा में प्रकाशित होने लगी। इस पत्रिका का संपादन स्क्वैड्रन लीडर जे.एस. भीमवाल किया करते थे। सन् 1988 में उन्होंने त्यागपत्र दे दिया। उन दिनों मैं एक न्यूज़ लेटर का संपादन किया करता था। मेरे अनुभव और योग्यता को देखते हुए उन्होंने मेरी नियुक्ति कर दी। तब से मैं श्री एन.डी. दत्ता तथा श्री अशोक लव के सहयोग से बखूबी जिम्मेदारी निभाता रहा हूँ। यह हर्ष का विषय है कि इस पत्रिका को सबसे पुरानी पत्रिका का दर्जा देते हुए– 'लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स' में 2008 को मान्यता दी गई, जिसका श्रेय श्री डी.वी. मोहन जी को जाता है।

यह मेरा सौभाग्य ही था कि मैं जी.एम.एस. के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट के पद पर कार्यरत रहते हुए ही रायजादा बी.डी. बाली के नेतृत्व में जी.एम.एस. के समस्त सदस्यों का स्नेह और सहयोग पाकर कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स (परियोजनाओं) को पूर्ण करने में कामयाब रहा। जिसमें विशेष उल्लेखनीय हैं–

1. मोहयाल फाउण्डेशन, नई दिल्ली
2. मोहयाल आश्रम एवं सेवासदन, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
3. मोहयाल आश्रम, वृंदावन और गोवर्धन
4. इसी श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है– मोहयाल मेरिट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली। इसकी स्थापना में स्वर्गीय जनरल मेहता, कर्नल एम.एन.सी. दत्ता, मोहयाल रत्न श्री एस.के. छिब्बर, श्री वी.के. बाली तथा डॉ. रतन दत्ता के सहयोग को भुलाया नहीं जा सकता।

आज जी.एम.एस. बहुत से अच्छे काम कर रही है। विधवाओं को पेंशन देना ठीक है। मेरा सुझाव है कि युवा विधवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ट्रेनिंग सेंटर खोले जाएँ। उन्हें कंप्यूटर सिखाने, कटिंग–टेलरिंग–ब्यूटी पार्लर की अथवा जिसमें उनकी रुचि हो उनकी ट्रेनिंग दी जाए ताकि वे अपना काम शुरू कर सकें या नौकरी कर सकें।

शिक्षा के क्षेत्र में 'Adop a Child' (एक बच्चे को गोद लेना) अच्छा काम है। इसके लिए जिस बच्चे को गोद लिया जाए उसकी प्राइमरी से यूनिवर्सिटी लेवल की शिक्षा का इंतज़ाम करना चाहिए। ऐसे बच्चे चाहे दो हों या तीन हों उन्हें बोर्डिंग हाउस में दाखिल कराएँ। उनके खाने–पीने, यूनिफ़ार्म, कपड़ों का सारा खर्चा उठाना चाहिए।

हमारे आश्रम और भवन बहुत अच्छे बने हैं। इनकी देखभाल के लिए ट्रस्ट बनाए जाने चाहिएँ जो इनका सारा इंतज़ाम देखें। उनके कर्मचारियों से लेकर रखरखाव की जिम्मेवारी ट्रस्ट की होनी चाहिए। हमने अपनी ज़िंदगी में जिनको बनाया। अगली पीढ़ियों तक ये सुरक्षित रहें इसका इंतज़ाम करना भी ज़रूरी है।

हमारी लोकल मोहयाल सभाएँ बहुत अच्छे काम कर रही हैं पर अभी बहुत कुछ करने की गुंजाइश है। लोकल मोहयाल सभाएँ मोहयाल संस्कृति को ज़िंदा बनाए रखने के लिए अहम भूमिका निभा सकती हैं। ईश्वर द्वारा दीर्घायु का वरदान प्राप्त होने के कारण मैं आज 96 वर्ष की उम्र में भी आप लोगों की सेवा हेतु तत्पर हूँ। जीवन के इस आखिरी पड़ाव पर मेरा समस्त मोहयाल बिरादरी को विशेष रूप से युवा वर्ग को यही संदेश है कि आप जहाँ कहीं भी कार्यरत हैं, मोहयाल सभाओं की सदस्यता ग्रहण करें और मोहयाल बिरादरी के उत्थान एवं कल्याण में अपना योगदान दें। मोहयाल सभाओं से मेरा यही अनुरोध है कि वे मोहयाल–परिवारों, विशेषकर युवावर्ग को अपने साथ जोड़ने का प्रयास करें और मोहयाल बिरादरी के उत्थान एवं कल्याण के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएँ।

आज के इस भव्य और विशाल आयोजन के पीछे मोहयाल सभा के जिन पदाधिकारियों का अथक परिश्रम और योगदान है; विशेष रूप में रायज़ादा बी.डी. बाली, श्री पी.के. दत्ता, ले. जनरल जी.एल. बक्शी, ले.कर्नल एल.आर. वैद, श्री बी.एल. छिब्बर, श्री एस.के. छिब्बर, श्री अशोक लव, श्री योगेश मेहता और पूरी टीम को मैं हार्दिक बधाई देता हूँ। आप सबको धन्यवाद देता हूँ, आप इतनी दूर–दूर से आए और धैर्यपूर्वक मेरी बातों को सुना।

आइए, हम एक साथ चलने और काम करने का संकल्प लें।

***ओ. पी. मोहन**, अध्यक्ष*

52वीं ऑल इण्डिया मोहयाल कान्फ्रेंस एवं 125वाँ स्थापना-दिवस

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

फरीदाबाद

मोहयाल सभा फरीदाबाद की मासिक बैठक 5 मार्च 2017 को श्री रमेश दत्ता की अध्यक्षता में मोहयाल भवन, फरीदाबाद में संपन्न हुई, जिसमें लगभग 60 मोहयाल भाई–बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के उपरांत–

शोक– श्री कमल बाली निवासी 2022, सेक्टर 9 फरीदाबाद के पिताजी रायज़ादा दुर्गा दत्त बाली जी का निधन 7 फरवरी 2017 को हुआ, की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की व दो मिनट का मौन रखा।

रायज़ादा के.एस बाली, सेक्रेटरी जनरल ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि 12 मार्च को जीएमएस 120वां स्थापना दिवस का आयोजन तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली में बड़ी धूमधाम से कर रही है। फरीदाबाद के लिए ये बड़े हर्ष की बात है कि हमारी सभा के पैट्रेन श्री ओ.पी. मोहन जी को वहां पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि फरीदाबाद मोहयाल सभा 12 मार्च के लिए फरीदाबाद से जाने की व्यवस्था कर रही है जो भी मोहयाल भाई बहन जाने के इच्छुक हो, वे श्री नगेन्द्र दत्ता जी या श्री विनय बाली जी से संपर्क कर सकते हैं।

इस अवसर पर श्री ओ.पी. मोहन जी भी उपस्थित थे, उन्होंने अपने संबोधन में सभी को यह सम्मान दिलवाने के लिए धन्यवाद किया। मीटिंग में पहली बार आए श्री शिवनंदन बाली जो कि सरकारी वकील हैं का सभी ने तालियों के साथ स्वागत किया। श्रीमती बाला बाली व श्रीमती मनु वैद ने सुंदर होली के गीत प्रस्तुत किए व सभी को होली की मुबारक दी। श्री शिवनंदन बाली जी ने भी अपनी मधुर आवाज़ में ग़ज़ल प्रस्तुत की।

श्री इंद्र बाली जी ने भी साईं साइंस के द्वारा कई बिमारियों के इलाज की जानकारी दी।

श्री नरेश बक्शी ने 500 रुपए सभा को भेंट किए। श्री रमेश दत्ता ने सभी को 12 मार्च के कार्यक्रम भाग लेने की अपील की। उन्होंने बताया कि आज के खाने की व्यवस्था श्री ओ.पी. मोहन जी द्वारा की गई है। सभी ने उनका धन्यवाद किया व स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। अगली मीटिंग 2 अप्रैल 2017 को होगी।

रमेश दत्ता, *प्रधान* — ***रायज़ादा के.एस. बाली,*** *महासचिव*
मो.: 9999078425 — *मो. 9899068573*

उत्तम नगर-नई दिल्ली

आज 5 मार्च को सभा की बैठक प्रधान श्री एस.पी. वैद जी के निवास स्थान में हुई। सभा का मुख्य विषय जीएमएस के 125वें स्थापना–दिवस में तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित समारोह के लिए चर्चा हुई, जिसमें संजय बक्शी ने बताया कि सभा की ओर 5 स्वयंसेवक के नाम जीएमएस को भेज दिए गए हैं।

जीएमएस कार्यक्रम में पहुँचने की चर्चा में यह फाइनल हुआ कि सब अपनी–अपनी साहूलियत के हिसाब से तालकटोरा स्टेडियम में पहुँचगे और इस कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। उत्तम नगर सभा हमेशा जीएमएस के साथ रहती है और प्रत्येक सभा का फर्ज बनता है कि वे जीएमएस द्वारा होने वाले हर प्रोग्राम को सफल बनाने में अपना पूरा योगदान दे और अंत में सभा के सदस्यों द्वारा 10वीं और 12वीं की बोर्ड की परीक्षा के लिए सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं।

विनीत बख्शी छिब्बर, *महासचिव*
मो. 8802624221

अंबाला कैंट

5 मार्च को सभा की बैठक वरिष्ठ उपप्रधान कमांडर पी.आर मेहता की अध्यक्षता में जिसमें 9 मोहयाल सदस्यों ने भाग लिया, गायत्री मंत्र व मोहयाल प्रार्थना के बाद श्री डी.वी. बाली जी ने पिछली मोहयाल मीटिंग का कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा अनुमोदन हुआ।

दुखद समाचारः श्री एम.के. वैद देहांत 28.02.17 को रेलवे अस्पताल हो गया। उनकी दिवंगत पवित्र आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

बधाईः मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली तथा श्रीमती नीता बाली को उनकी शादी की सालगिरह 01.03.2017 को मनाने पर सदन ने बधाई दी तथा दोनों की लंबी आयु तथा भविष्य के लिए स्वास्थ्य कामना की।

विधवा आर्थिक सहायता के विषय पर जी.एम.एस. से मिली हिदायतें, बैंक एकाउंट नं. आइ.एफ.एस. कोड तथा आधार कार्ड की कॉपी बतौर पहचान सबूत, फौरन सेक्रेटरी को सौंप दें ताकि समय पर जीएमएस को मिल जाए। अप्रैल 2017 से सबकी सहायता राशि सीधे बैंक एकाउंट में भेज दी जाएगी।

12.03.2017 को तालकटोरा स्टेडियम दिल्ली में 52वीं मोहयाल कांफ्रेंस तथा 125वां स्थापना दिवस मनाए जाने की विस्तार से जानकारी दी गई।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

पूर्व प्रधान श्री आई.आर. छिब्बर ने अपने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दे दिया। इस विषय पर अगली मीटिंग में जब अधिक सदस्य हाजिर होंगे तो विचार होगा। तब तक श्री नरेश वैद (पूर्व प्रधान) जी ने जिम्मेवारी ली है। वे सारे मोहयाल संबंधि पेपर साइन करेंगे।

दान राशि की रसीदें धर्मेंद्र जी ने सभा समाप्ति के बाद काटी क्योंकि वे मीटिंग में किसी कारणवश उपस्थित नहीं थे। कमां. पी.आर. मेहता 500 रु., एचएफओ एम.एल. दत्ता 500 रु. श्री डी.वी. बाली 500 रुपए, श्री धर्मेंद्र वैद 500 रु. लोकल सभा को भेंट किए। अगली मासिक मीटिंग श्री डी.वी. बाली जी ने अपने घर बुलाई है। जय मोहयाल के नारों के साथ सभा समाप्त हुई।

एचएफओ एम.एल. दत्ता, *महासचिव*
मो. 9896102843

प्रेमनगर-देहरादून

सभा की मासिक बैठक दिनांक 26.02.2017 को श्री सनातन धर्म मंदिर हॉल प्रेमनगर में हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रधान श्री डी.एन. दत्ता ने की। बैठक में लगभग 30 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात् सभा की कार्यवाही आरम्भ की गई। नए सदस्य श्री राजीव वैद जी का परिचय कराया गया और स्वागत किया गया। 'जनरल मोहयाल सभा' नई दिल्ली द्वारा '125वाँ स्थापना दिवस' एवं 52वाँ अखिल भारतीय मोहयाल सम्मेलन 12 मार्च 2017 को तालकटोरा स्टेडियम आयोजित किया जा रहा है, जिसका हमारी सभा को निमंत्रण प्राप्त हुआ है। इस पर विस्तृत चर्चा हुई। लगभग 8 सदस्यों ने नई दिल्ली जाने की सहमति प्रदान की तथा जीएमएस को भाग लेने हेतु सूचित किया गया।

मोहयाल सभा प्रेमनगर का 23 अप्रैल 2017 को 'मोहयाल मिलन' का आयोजन किया जा रहा है। आस–पास के क्षेत्रों की मोहयाल सभाओं को निमंत्रण पत्र भेजें जाएँगे। मोहयाल मिलन का संपूर्ण कार्यभार श्री हर्षवीर मेहता तथा उदय दत्ता जी को सौंपा गया है। बच्चों के लिए खेलों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन श्री गंगा प्रसाद तथा श्रीमती नूतन वशिष्ठ एवं श्रीमती नीरू छिब्बर करेगें।

अंत में जलपान की व्यवस्था करने के लिए श्रीमती एवं श्री रमेश दत्ता जी को धन्यवाद किया गया। 'श्री सनातन धर्म मन्दिर समिति' का मन्दिर का हॉल की अनुमति देने पर धन्यवाद दिया गया।

राजेश बाली, *सचिव*
मो. 9758135583

नजफगढ़-नई दिल्ली

मोहयाल सभा नजफगढ़ की मासिक बैठक 05.03.2017 को प्रधान श्री शेर जंग बाली की अध्यक्षता में श्री हर्ष दत्ता सचिव के निवास स्थान (दत्ता प्लाजा, 22, ओल्ड रोशनपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली) में मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 20 भाई–बहनों ने भाग लिया। सभा के सचिव श्री हर्ष दत्ता जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, वित्त सचिव श्री बलदेव राज दत्ता ने लेखा–जोखा पेश किया, जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किया।

श्री हर्ष दत्ता, सचिव ने बताया कि लोकल मार्किट से विज्ञापन नहीं मिल पाए, प्रधान जी ने 125वाँ मोहयाल दिवस समारोह मनाने के

लिए 15,000 रु. मोहयाल सभा नजफगढ़ से देने के लिए प्रस्ताव रखा, जिसका सभी उपस्थित सदस्यों ने अनुमोदन किया।

प्रधान जी ने सूचित किया कि जिन मोहयाल भाई–बहनों ने 125वाँ मोहयाल दिवस बस में जाने के लिए अपने नाम दिए हैं वह सभी 12.03.2017 को निर्धारित स्थान पर, समय पर पहुँचें। मोहयाल सभा की अगली मासिक बैठक 2 अप्रैल 2017 को श्री हर्ष दत्ता जी, सचिव के निवास स्थान दत्ता, प्लाजा 22, ओल्ड रोशनपुरा, नजफगढ़ नई दिल्ली में प्रातः 10:30 बजे होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का अनुरोध है। अंत में सभी बढ़िया जलपान के लिए श्री हर्ष दत्ता को धन्यवाद दिया।

शेर जंग बाली, *प्रधान* — **हर्ष दत्ता,** *सचिव*
मो.: 9871756765 — *मो. 9312174583*

आगरा

आगरा मोहयाल सभा की मीटिंग श्री प्रवीण दत्ता जी के निवास स्थान (97 एम.एम.आई.जी., ताजनगरी आगरा) पर श्री कामरान दत्ता जी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें लगभग 10 परिवारों ने भाग लिया। बैठक में मधु दत्ता, ममता दत्ता, सुमन दत्ता, श्रीमती गोयल, अम्बा दत्ता, प्रवीन दत्ता, मोहन शर्मा, अशोक गोयल आदि उपस्थित रहे। भाई–बहनों ने पहले मोहयाल प्रार्थना की तथा उसके बाद संयोजक महोदय ने उपस्थित सदस्यों को बताया कि क्योंकि नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री ए.वी. मोहन जी अब आगरा से काफी लंबे

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

समय से बाहर हैं और निकट भविष्य मे उनके आने की आशा भी नहीं है इसलिए उनकी अनुमति व इच्छा के आधार पर श्री राजेश दत्ता जी सहसचिव को सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया जाता है जिससे सभा का कार्य सुचारू रूप से चल सके।

राजेश दत्ता जी ने सभी को आश्वासन दिया कि वे सभा के कार्यों को करने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। संयोजक व सचिव महोदय द्वारा सभा को 'जनरल मोहयाल सभा' के 125वाँ स्थापना–दिवस पर होने वाले आयोजन पर अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने हेतु अपील की। श्रीमती आशा मेहता ने अपने पति स्व. कमलेश मेहता (जो पूर्व सचिव मोहयाल सभा आगरा के संस्थापक थे के जन्मदिन पर 'मोहयाल सभा आगरा' को 1100 रुपए प्रदान किए। जिसका सभी ने धन्यवाद दिया एवं उनके व्यक्तित्व, अपनेपन व कार्यकाल की एवं उनके परिवार के सदस्यों की भी सराहना की। बैठक में सभी सदस्यों ने एक–दूसरे को होली की शुभकामनाएँ दीं। आभा दत्ता जी एवं प्रवीन दत्ता जी ने सभी सदस्यों को फूल एवं चंदन लगाकर होली की बधाई दी, एक दूसरे पर फूल बरसाकर होली का उत्सव मनाया।

संयोजक/सचिव, अध्यक्ष महिला विंग की अध्यक्षता श्रीमती मधु दत्ता, सुमन दत्ता, आभा दत्ता, श्रीमती गोयल, ममता दत्ता, श्रीमती शर्मा आदि ने होली के गीतों एवं कृष्ण, वृंदावन, मथुरा, गोकुल व बरसाने की लठमार होली से संबधित गीत से माहौल को सुंदर बनाया और होलीमय कर दिया। श्रीमती आभा दत्ता एवं श्रीमती प्रवीण दत्ता ने सभी मेहमानों की आवभगत की व जलपान कराया। सभी सदस्यों ने श्रीमती गोयल की उनके सहयोग के लिए सराहना की। गायत्री मंत्र के साथ सभा का समापन किया गया शांति पाठ एवं जय मोहयाल के उद्घोष के साथ सभा समाप्त हुई।

एस.पी. दत्ता, *सचिव*
मो. 9897455755

अबोहर

सभा की मासिक बैठक 31 जनवरी 2017 को मैहता अमरदीप भीमवाल जी एवं श्रीमती मीनू भीमवाल के निवास स्थान गाँव भंगर खेड़ा में श्री विश्वामित्र भीमवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। गायत्री प्रार्थना व मोहयाल मंत्र के पश्चात डॉ. भाई महावीर जी (पूर्व राज्यपाल) के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया।

सभा ने अमरदीप भीमवाल व मीनू भीमवाल जी द्वारा मारुति 800 कार खरीदने पर उनको बधाई दी।

चीफ़ पैट्रन मैहता श्री कृष्ण कुमार भीमवाल जी ने सुझाव दिया कि मोहयाल परिवारों के लड़के–लड़कियों के रिश्ते मोहयाल परिवारों में ही करने चाहिएँ।

अंत में शांति पाठ के साथ सभा संपन्न हुई। सभा करने तथा जलपान की व्यवस्था के लिए भीमवाल परिवार का शुक्रिया किया गया।

सभा की मासिक बैठक 12 फरवरी 2017 को मैहता रविन्द्र कुमार भीमवाल एवं श्रीमती आशा भीमवाल के निवास स्थान गाँव भंगर खेड़ा में चीफ पैट्रन मैहता कृष्ण कुमार भीमवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

सबसे पहले मोहयाल प्रार्थना की गई फिर गायत्री वंदना के पश्चात मैहता प्रमोद कुमार भीमवाल ने पढ़ने वाले बच्चों को उज्ज्वल भविष्य के लिए आने वाली परिक्षाओं में अच्छे अंक प्राप्त करने हेतु खूब मेहनत करने की सलाह दी। मैहता ललित कुमार भीमवाल जी को आज तक केवल एक ही मोहयाल मित्र मिला है। उन्होंने अनुरोध किया कि कृपया जीएमएस इसका संज्ञान लेते हुए 'मोहयाल मित्र' निम्नलिखित पते पर भेजने का कष्ट करें,

मेहता ललित भीमवाल
पो.ओ. सरदारपुरा जीवन, वाया–लालगढ़ जाटान
तहसिल–सादूल शहर, श्रीगंगानगर (राज.) 335037

अंत में शांति पाठ के साथ सभा समाप्त हुई तथा जलपान की व्यवस्था के लिए सभी ने भीमवाल परिवार को धन्यवाद दिया।

मैहता विश्वामित्र भीमवाल, *प्रधान*
मो. 9780160085

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक 5.03.2017 को सभा के प्रधान सरदार हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में भाई लक्ष्मण देव छिब्बर जी के निवास स्थान प्रीत नगर बराड़ा में संपन्न हुई। गायत्री मंत्रोच्चारण व मोहयाल प्रार्थना के बाद सभा के वित्त सचिव श्री बलदेव सिंह दत्ता जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई जिस पर सभी ने अपनी सहमति प्रकट की।

सभा में आए श्री जोगिन्दर मोहल छिब्बर देहरा सलीमपुर निवासी ने कहा की 'मोहयाल मित्र' में हमारे पूर्वजों के इतिहास के बारे में श्री लेख प्रकाशित होने चाहिएँ ताकि हमारे बच्चों व युवाओं को भी पता लग सके कि हम किसके वंशज हैं और हम सभी मोहयालों की कुल देवियाँ व कुल गुरु कौन से हैं, कृपया इसके बारे में विस्तार से प्रकाशित किया जाए। इस विषय के बारे में पहले भी प्रकाशित किया था लेकिन कोई जवाब नहीं आया। सभा में आए हुए सभी मोहयालों को दिल्ली में आयोजित 125वाँ मोहयाल दिवस समारोह में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।

अंत में सभा में आए हुए सभी सदस्यों ने जलपान के लिए भाई लक्ष्मण देव छिब्बर जी परिवार का धन्यवाद किया।

रविन्द्र छिब्बर, *सेक्रेटरी*
मो. 9466213488

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

स्त्री सभा यमुना नगर

स्त्री सभा की मासिक बैठक 9.02.2017 को श्रीमती प्रेम दत्ता के निवास स्थान पर हुई, गायत्री मंत्र के साथ मीटिंग की शुरुआत हुई, श्रीमती कमला दत्ता जी ने मीटिंग की अध्यक्षता की सभा में सभी बहनों ने भाग लिया।

स्त्री सभा ने सभी दिवंगत भाइयों और बहनों के लिए दो मिनट का मौन रखा और उन्हें श्रद्धा के सुमन अर्पित किए। सभा में सभी बहनों से अनुरोध किया गया कि ज़्यादा से ज़्यादा जीएमएस सदस्य बनें। सभा में सहायता फ़ार्म भरे गए। 12 मार्च को होने वाली 125वें स्थापना–दिवस और कांफ्रेंस के बारे में बताया गया।

श्रीमती बाला मेहता, श्री इंदु बाली, श्रीमती भगीरथी बाली, श्रीमती सुरक्षा मेहता और प्रेम दत्ता ने अपने विचार रखे। शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई। ***श्रीमती प्रवीण बाली**, फोनः 01132–226799*

विवाह बंधन में ललिता एवम् अनिल

ललिता बक्शी (भीमवाल) (सुपुत्री श्रीमती शशी बाला भीमवाल एवम् बक्शी नन्दलाल भीमवाल) और अनिल बाली (सुपुत्र श्रीमती कंचन बाली एवम् श्री अशोक कुमार बाली निवासी खेड़ा मौहल्ला छोटी

लाईन, यमुना नगर) 1 फरवरी 2017 के शुभ मुहूर्त बसंत पंचमी के दिन शादी के पवित्र बंधन में बँधे।

इस शुभ अवसर पर दोनों परिवारों के सदस्य, रिश्तेदार एवम् मित्रगण ने उपस्थित होकर इस शुभ कार्य के लिए दोनों परिवारों को बधाई एवम् वर–वधू को शुभकामनाओं के साथ आशीर्वाद दिया। बक्शी नन्दलाल भीमवाल ने 250 रुपए मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप एवम् 500 रुपए हरिद्वार आश्रम हेतु जनरल मोहयाल सभा को भेंट किए।

पच्चसवीं वैवाहिक वर्षगांठ पर बधाई

मैहता रविन्द्र कुमार भीमवाल व श्रीमती आशा भीमवाल जी की 23 जनवरी 2017 को शादी की 25वीं वर्षगांठ थी। इस मौके पर गाँव भंगर खेड़ा में भीमवाल परिवार द्वारा समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें की रिश्तेदारों व बिरादरी के लोगों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि श्री रविन्द्र कुमार भीमवाल स्व. श्री भीमसेन भीमवाल व श्रीमती उमा देवी भीमवाल जी के सुपुत्र एवम् स्व. श्री नरनारायण भीमवाल व स्व. श्रीमती लाजवन्ती देवी भीमवाल (करियाला) के पौत्र व

श्रीमती आशा भीमवाल जी स्व. श्री सरदारी लाल मोहन एवम् स्व. श्रीमती शान्ति देवी मोहन जी की सुपुत्री है जो कि मंडोली यमुनानगर की निवासी थे।

खुशी के इस मौके पर उनकी माता श्रीमती उमा देवी भीमवाल जी ने 500 रुपए की राशि जीएमएस एजूकेशन फंड में दी है।

<u>28 अप्रैल के अवसर पर</u>

अक्षय तृतीया

अक्षय का अर्थ है जो कभी क्षय न हो। यदि कोई कार्य शुभ समय व शुभ दिन को किया जाय तो उस कार्य के पूरा होने में संदेह नहीं रहता है। हमारे यहाँ चार स्वयं सिद्ध मुहुर्त है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, अक्षय तृतीया, दशहरा व दीपावली से पहले प्रदोष तिथिया। यह सर्व कार्येषु मंगल तिथियाँ है। इसी दिन बद्रीनाथ धाम के कपाट भी खुलते हैं।

अक्षय तृतीया से जुड़ी एक कथा है कि एक शालीन एवम् धर्म में विश्वास रखने वाला एक वैश्य था उसका परिवार बहुत बड़ा था और उसके पालन–पोषण के प्रति सोचकर बहुत व्याकुल रहता था। एक बार उसने इस व्रत के महात्मय के बारे में सुना और इसे करने का संकल्प लिया। उसने स्नान ध्यान कर शुद्ध होकर गोले के लड्डू, पंखा, जल से भरे कलश, जौ, गेहूँ, सत्तू, नमक, चावल, गुड़ और सोना वस्त्र इत्यादि वस्तुओं का दान किया एवं प्रभु की आराधना की। यही वैश्य अगले जन्म में कुशावती का राजा बना। कभी भी धर्म से विचलित हुए बिना अपना राज कार्य सुचारू रूप से कई वर्षो तक चलाते रहें। अन्य जन्मों में भी वह अपने धर्म के मार्ग से कभी भी विचलित नहीं हुए। अतः अक्षय तृतीय में किए गए दानादि व धर्म कार्य अक्षय होते हैं और सदा सर्वदा सद्मार्ग पर चलने को प्रेरित करती हैं। यह नीचे लिखे कार्यों के लिए भी इस दिन हम प्रार्थना कर सकते हैं:

अशुभ ग्रहों का प्रभाव दूर करनाः

1. भगवान सूर्य की अराधना करेंः ऊँ घृणि सूर्याय नमः का जाप करें।

2. लक्ष्मी प्राप्ति के लिए: ऋण मुक्ति के लिए माँ लक्ष्मी की चन्दन का तिलक करके ऊँ ह्रीं हीं दारिद्रय विनाशिन्ये धन धान्य समृद्धि देहि देहि नमः का 108 बार जाप करें।

3. व्यापार वृद्धिः श्री लक्ष्मी नारायण की आराधना, ऊँ ह्रीं ऐश्वर्य श्रीधन् धान्याधिपतयै ऐं पूर्णत्व लक्ष्मी सिद्धयै नमः का 108 बार जाप करके करें।

4. सन्तान सुखः इस दिन संतान गोपाल मंत्र का जाप करें।

***विरेन्द्र छिब्बर** (ज्योतिष अचार्य), ईए–94, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली–110012*
मो. 9818094655

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

पारिजात (हारश्रृंगार का व्रक्ष)

बिछी चदरिया बसंत की
बैठ मेरे साथ
न जाने कब पतझड़ आ जाए
बिछड़ जाएँ दौ पात

पलट पुराने पन्ने दिल के
करें कुछ बिसरी बात
पड़े तुम्हारे गाम तो
निशा में हुई प्रभात

चेहरे से पड़ लेते थे
इक दूजे के जज़्बात
रहे प्रखर, हिम जैसे
मिली खुशी या संताप

कैद हुए स्वपन
प्राणों को दिया आघात
हुई वीरानें में तब जाकर
फूलों की बरसात

वात्सल्य से पूर्ण रही तुम
चाहे ज़ख़्मों की मिली सौगात
सींचकर तुमने अश्कों से
खिला दिया पारिजात

बीत गयी दौ तिहाई
लिए हाथों में हाथ
गुज़रेगी आमोदित
बस रहे प्रभु का साथ

बिछी चादर बसंत की
बैठ मेरे पास
ना जाने कब....

राजेश बाली (मो.) *9968656991*

इन्हें अजमाएँ

1. खड़े होकर पानी पीने से घुटनों का रोग होता है। पानी हमेशा बैठकर पीना चाहिए।
2. किसी प्रकार का दर्द हो, एक गिलास कोसा पानी पी लें।
3. संतरे के छिलके सुखाकर पाउडर बनाएँ। इसमें दूध मिलाकर पेस्ट बना लें। पाँवों पर पड़े धब्बों पर लगाकर सूखने दें। सूख जाने पर पोंछ दें। सप्ताह में तीन बार ऐसा करें। पैरों का कालापन–धब्बे मिट जाएँगे।
4. अनार के छिलके सुखा लें। पाउडर बनाकर दही मिलाएँ। सिर पर लगाएँ। बाल चमकदार मुलायम हो जाएँगे।
5. तनाव से बचने के लिए खूब हँसें। कुढ़ना छोड़ें। संगीत सुनें। जीवन का आनंद लें। निंदा करना छोड़ें। सबके कल्याण की कामना करें।

संजय दत्त का मोहयाल यूथ विंग में शामिल होने का ऐलान

"संजय दत्त का मोहयाल यूथ विंग में शामिल होने का ऐलान"
"दत्त मोहयालों पर फिल्म बनाने की घोषणा"
"पाकिस्तान के रविंदर छिब्बर ने कहा भारत पाक सीमा समाप्त होनी चाहिए"

ऑल इंडिया मोहयाल सभा के 125वें वार्षिक अधिवेशन में जैसे ही फिल्म स्टार संजय दत्त ने मोहयाल यूथ विंग में शामिल होने का ऐलान किया तो वहाँ मौजूद मोहयालों विशेषकर यूथ मोहयालों में भारी जोश उत्पन्न हुआ। संजय दत्ता ने कहा कि उन्हें मोहयाल होने पर गर्व है। उनके पिता सांसद, अभिनेता स्वर्गीय सुनील दत्त ने उन्हें बिरादरी के कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए अक्सर प्रेरित करते थे। संजय दत्त ने बताया कि वह अपने पिता सुनील दत्त के आदेश पर जल्दी ही दत्त मोहयालों पर फिल्म बनाएंगे। वह इसके लिए व्यवस्था करने में जुटे हुए हैं। मंच पर सबसे पहले उन्होंने 'जय मोहयाल' का नारा लगाया, जिसमें हॉल तालियों से गूँज उठा। संजय दत्त ने कहा कि उन्हें जैसे ही आदरणीय बी.डी. बाली साहब का इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए फ़ोन आया तो उन्होंने तुरंत हाँ कर दिया। वह बाली साहब को अपने पिता सामान मानता है। कार्यक्रम में शामिल संजय दत्त ने जहाँ मोहयाल सभा के वरिष्ठ पदाधिकारियों से आशीर्वाद लिया वहीं मोहयाल बिरादरी से जुड़े रहने का वचन दिया।

कार्यक्रम में पाकिस्तान से विशेष रूप से पहुँचे रविन्द्र छिब्बर को रायज़ादा बी.डी. बाली ने विशेष रूप से स्मृति–चिह्न देकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में रविन्द्र छिब्बर ने कहा की उन्हें मोहयाल होने पर गर्व है और जीएमएस ने उन्हें जो सम्मान दिया है उसे वे ज़िन्दगी भर याद रखेंगे। बाद में मीडिया से बातचीत में रविन्द्र छिब्बर ने कहा की पाकिस्तान के लोग भी शांति चाहते हैं। वह चाहते हैं कि बंटवारे से पहले जो आपसी प्यार और भाईचारा था वह फिर से पैदा हो और दोनों देशों के बीच सीमा समाप्त हो।

नरेन्द्र छिब्बर, *महासचिव*
मोहयाल सभा पानीपत
मो.: 8222023131

सुरेंद्र मेहता छिब्बर, *(पत्रकार)*
महासचिव, एमएस जगाधरी वर्कशॉप
मो. 9355310880

मोहयाल मित्र में रचनाएँ भेजने के पश्चात् प्रकाशन के लिए दो माह तक प्रतिक्षा करें। इसके पश्चात् ही कार्यालय से संपर्क करें। कृपया समस्त रचनाएँ-रिपोर्ट साफ-साफ लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। पोस्ट कार्ड या छोटे-छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर रचनाएँ न भेजें। ई-मेल से भेजी रचनाएँ और रिपोर्ट साफ-साफ लिख कर भेजें। नहीं तो छप नहीं पाएगी।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्रीमती यशोदा देवी का स्वर्गवास

श्रीमती यशोदा देवी जी का निधन 22 जनवरी 2017 को हुआ। उनकी रस्म–पगड़ी राधेश्याम मंदिर महरौली, नई दिल्ली में की गई। जहाँ उनके परिवार, सगे–संबंधियों अन्य सहयोगियों व मित्रगण ने मिलकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

कहते हैं समुद्र इतना विशाल और गहरा होता है कि हम उसे अपनी आँखों से नाप ही नहीं सकते सिर्फ उसे महसूस कर सकते हैं अपने दिल की आँखों से। समुद्र कभी नहीं कहता कि मैं भर चुका हूँ या कुछ देने में असमर्थ हूँ। वो तो अपनी लहरों से हमेशा यही कहता आ रहा है कि मेरा सब कुछ तुम्हारे लिए ही है, चाहे दूर हूँ या पास पर समर्थता हमेशा रहेगी देने की। हमारे बुजुर्ग भी हमारे लिए समुद्र की भाँति ही हैं, जिनकी विशालता, प्यार की कोई सीमा ही नहीं होता। उन्हें सिर्फ देना ही आता है। वो चाहे हमारे पास हों या नहीं पर उनका प्यार आशीर्वाद हमेशा हमारे जीवन को संवारता रहता है। आज चाहे हमारी जीवन में हमारे बुजुर्गों का साथ वास्तविक रूप में नहीं पर आत्मिक रूप में वे हमेशा जुड़े रहेंगे।

हम ईश्वर से यही प्रार्थना करेंगे कि उनकी आत्मा को शांति प्राप्त हो। बाली परिवार की ओर से 500 रुपए हरिद्वार आश्रम लंगर फण्ड में भेंट किया है।–*प्रिया बाली (मो.) 9873992990*

सुश्री चंद्रकांता मोहन का निधन और श्रद्धांजलि

सुश्री चंद्रकांता मोहन का निधन उनके निवास (दयालपुरा, करनाल) में 7 मार्च 2017 को हुआ। वे कुछ समय से अस्वस्थ थीं। वे शिक्षिका के रूप में सेवानिवृत्त हुई थीं। वे धार्मिक विचारों की महिला थीं। वे अविवाहिता थीं। उनका अपना जीवन दूसरों की सेवा में व्यतीत हुआ। वे समय–समय पर मंदिरों और समाज सेवी संस्थाओं को दान करती रहती थीं। उन्होंने भव्य रूप से श्रीमद्भागवत का पाठ रखवाया था। वे धूमधाम से तुलसी–विवाह कराती थीं। वे ज़रूरतमंदों को आर्थिक सहयोग करती रहती थीं।

उनको श्रद्धांजलि देने के लिए 17 मार्च 2017 को गोपाल शिव मंदिर, सदर बाज़ार, करनाल में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। उन्हें विभिन्न संस्थाओं की ओर से श्रद्धांजलि दी गई जिनमें प्रमुख थीं– मोहयाल सभा करनाल, मानव सेवा संघ करनाल, सनातन धर्म मंदिर आदि। उन्होंने गोपाल शिव मंदिर के निर्माण में भी आर्थिक सहयोग किया था। समय–समय पर होने वाले धार्मिक आयोजनों के लिए वे दाल देती रहती थी। जी.एम.एस. की ओर से श्री अशोक लव ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि स्वर्गीय चंद्रकांता मोहन ने आजीवन दूसरों की सहायता और सेवा की। ये संस्कार उन्हें अपनी माता स्वर्गीय श्रीमती शांति मोहन से और पिता श्री रोशन लाल मोहन से मिले थे।

उनकी स्मृति में श्रीमती नीलम राय छिब्बर ने 'जनरल मोहयाल सभा' को 2100 रुपए भेंट किए। मेहता परिवार की ओर जी.एम.एस. और मोहयाल सभा करनाल को 500–500 रुपए भेंट किए।

सरदार इन्दर सिंह जी का निधन

सरदार इन्दर सिंह जी का निधन 2 नवंबर 2016 को हो गया था। इनका जन्म 18 दिसंबर 1931 को माता दीवान देई, पिता सरदार गुरमुख सिंह दत्ता जी के घर, गाँव मियाल, जिला–कैमलपुर, पाकिस्तान में हुआ था। विभाजन के बाद दत्ता परिवार मन्सीया, जगरावां, पंजाब में आकर बस गया था। आर्मी से रिटायर्ड होने के बाद दत्ता जी सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) में अपने परिवार के साथ बए गए थे। दत्ता जी अपने पीछे अपनी पत्नी राज कुमारी दत्ता, दो पुत्र (सुरेन्द्र सिंह दत्ता, गुरदीप सिंह दत्ता), पुत्रवधू और बेटियाँ (कुलदीप बाली, डोली मेहता) दामाद, पौत्र–पौत्रियां को छोड़ गए हैं। उनकी याद में समस्त परिवार की तरफ से मोहयाल सभा को 1000 रुपए भेंट किए गए।

प्रथम पुण्य-तिथि पर लंगर

श्रीमती राज रानी मेहता (स्व. श्री गोविन्द राम) का देहांत 17 फरवरी 2016, सी–53, रामदत्त एन्क्लेव, उत्तम नगर, नई दिल्ली उनके निवास स्थान में हुआ। उनकी आयु 86 वर्ष की थी।

स्वर्गीय राज रानी मेहता मृदुभाषी महिला थीं। वे सदैव अपने परिवार के प्रति समर्पित रहती थीं। उनके बारे में जितना लिखें उतना ही कम है। आज हमारी माताजी हमारे साथ न होकर भी हमारे साथ हैं। एक वर्ष पश्चात् भी हमें ऐसा

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

लगता है कि माताजी हमें छोड़कर कहीं नहीं गई है। हम सबके साथ हैं, उनके द्वारा दी हुई सीख उनके अनुभवों ने ही हमें, ज़िदंगी में आने वाली कठिनाइयों का सामना करना सिखाया है। भगवान से यहीं प्रार्थना है कि उनका आशीर्वाद हमारे परिवार पर सदा बनाए रखें।

श्री कमल मेहता (टीए–24, शुक्र बाजार वेस्ट उत्तम नगर, नई दिल्ली–59) मो. 9268375989 ने अपनी माताजी स्व. श्रीमती राजरानी की पुण्य–तिथि पर 11000 रुपए मोहयाल आश्रम हरिद्वार लंगर फंड हेतु दान दिए। **लंगर तिथि- 17 फरवरी**

श्री तिलकराज बाली की प्रथम पुण्य-तिथि

आज 23 मार्च 2017 पिताजी को हमसे बिछुड़े हुए एक बरस बीत गया। उनकी याद में उनके सुपुत्र नरेश बाली व श्री योगेश बाली (अहमदाबाद) ने 1100 रुपए जी.एम.एस. को भेंट किए।

शोकाकुल– श्रीमती मोतिया बाली व दत्ता परिवार नजफगढ़, नई दिल्ली ,मो. 9313803148
बलदेव राज दत्ता, फाईनेंस सेक्रेटरी, मोहयाल सभा नज़गढ़, नई दिल्ली

मैहता कुलभूषण भीमवाल की छठी पुण्य-तिथि

स्वर्गीय मैहता कुलभूषण भीमवाल सुपुत्र मैहता शिव कुमार भीमवाल व श्रीमती पुष्पा देवी भीमवाल तथा पोता स्व. मेहता नरनारायण

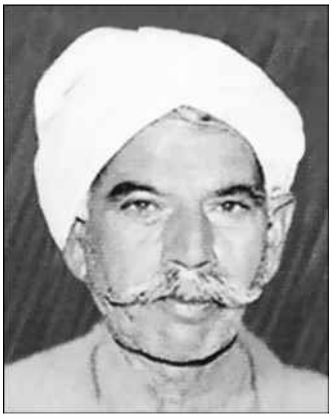

भीमवाल एवं श्रीमती स्व. लाजवन्ती भीमवाल, करियाला जिला जेहलम (पं. पाक) का जन्म बूडिया गाँव, जिला अंबाला, तह. जगाधरी वर्कशाप में दिनांक 7. 07.1948 को हुआ। तथा इनका निधन दिनांक 01.01.2010 को श्रीगंगानगर (राजस्थान) में हुआ।

स्व. मेहता कुलभूषण भीमवाल की छठी पुण्य–तिथि उनके निवास स्थान सरदारपुरा जीवन, तह. सादूलशहर, जिला श्रीगंगानगर (राज) में मनाई गई। घर में हवन व कीर्तन करवाया, ब्राह्मण भोज भी करवाया। भीमवाल परिवार व मित्रगण उपस्थित थे। इस अवसर पर स्व. मेहता कुलभूषण भीमवाल जी की माता श्रीमती पुष्पा देवी भीमवाल ने जीएमएस के एजूकेशन फंड के लिए 500 रुपए दान दिए तथा गांव की गऊशाला को एक ट्राली हरा चारा भेंट किया।

मैहता विश्वामित्र भीमवाल, *प्रधान मो.स. अबोहर*
मो. 9780160085

श्रीमती राज मेहता की पहली पुण्य-तिथि

आज 4 अप्रैल मम्मी आप को गए हुए एक साल हो गया यकीन नहीं आता कि आप हम सबको छोड़कर जा चुकी हैं।

'माँ' शब्द किसी भी व्यक्ति के जीवन में सबसे अधिक अहमियत रखता है। बाकी रिश्तों के बिना जीया जा सकता है लेकिन माँ के बिना जीवन एक अभिशाप है।

माँ ही छोटी उम्र में बच्चों की गुरु होती है। हमने अपनी माँ से बहुत कुछ सीखा है। जो वैल्यूज़ उन्होंने हम बच्चों को दिए है जैसे–पैसों, रिश्तो और प्यार का मान रखना सिखाया वह हमेशा कहा करती थी खासकर बेटियों को कि "शादी लड़की का दूसरा जन्म होता है या उनके बन जाओ या उन्हें अपना बना लो।" वह हमारी मज़बूती की आधार थीं।

"मम्मी आपके जाने के बाद जन्में है हम।
नहीं कहूँगी कि याद आती हैं आप।
बस मम्मी गर हो सके तो लौट आना।
ताकि कुछ जी सकूँ आपके जैसा।।"

इन्सान कितनी भी तरक्की कर ले माँ का विकल्प नहीं तलाश सकता। माँ कभी शब्द, व्यवहार, आचरण तो कभी व्यक्तित्व बनकर साथ रहती है। माँ का रिश्ता कई विरोधाभासों के बाद भी एक उम्र आने पर एक हो जाता है, तो लोग कहने लगते है आप तो अपनी मम्मी पर गई हो। दरअसल माँ हमारी सब से प्रखर अवचेत गुरु है, जो धीरे–धीरे चेतन स्तर पर हमारी शैली बन उभरती है। वक्त बीत गया पर लगता है काश मैं आप से कुछ कह पाती कुछ आप की सुन पाती। बाऊ जी के जाने के बाद मम्मी अकेली उनकी यादों में ही जीती थी। परिवार वालों ने बहुत ध्यान रखा पर फिर भी वह अवसाद में रही वह तो हम सबसे क्या खुद से भी दूर हो गई थी।

माँ बरगद का वह पेड़ है जो बिन मांगे छाँव देता है।
काश यह पेड़ कभी सूखे नहीं।

मम्मी आपके जाने के छः महीने बाद आपका लाडला सन्नी भी आप दोनों के पास चला गया। हम सबकी भगवान से प्रार्थना है कि वह आप तीनों की आत्मा को शांति प्रदान करे।

आपकी यादों में आपकी बेटी– ***सुनीता दत्ता*** *(द्वारा–विपिन दत्ता)*
+91-7838701382

श्रीमती शिवाली बाली की चौहवीं पुण्य-तिथि

दीदी इतने बरस बीत गए आपको हम सबसे जुदा हुए, लेकिन हम सबकी यादों में आप आज भी जिंदा हो। आपकी बेटी श्वेता की शादी भी हो गई काश उस पल आप होती तो श्वेता से अधिक खुश कौन होता! इसी समय माँ की जरूरत व याद सबसे ज्यादा बेटी को होती है। एक पंजाबी गीत की चंद लाइने–

मावां धीया मिलन लगियां, चारे कंदा ने चबारे दी हिलिया।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

यही वह पल था जो भगवान ने उससे छीन लिया वह हर रस्म, में आपको याद करके रोई थी चाहे वह 'मेंहदी चूड़ा' या डोली हो हर बार सबको रुलाया था। नेहा भी विदा हो गई, नानी ने दोनों को आशीर्वाद दिया और आठ दिनों बाद वह भी दुनिया से चली गई।

दीदी इन सालों में हमने कई ऐसे पलों पर आप की कमी महसूस की है। आपको तो पता भी नहीं कि अब जीजा जी अकेले हो गए हैं। वैसे तो सब कुछ 'माँ' जैसी 'मॉसी' (पूनम) ने अपना फर्ज निभा कर आपकी कमी को कम करने की कोशिश की है पर माँ तो माँ ही होती है।

काश भगवान ने कभी माँ बन कर सोचा होता तो कोई बच्चा छोटी उम्र में माँ के बिना न रहता। माँ बच्चे के लिए एक आधार स्तम्भ का काम करता है। अच्छा दीदी अपना आशीर्वाद श्वेता व भव्य को देती रहना।

आपकी यादों में आपकी बेटी– ***सुनीता दत्ता*** *(भाभी)*
(द्वारा–विपिन दत्ता) ***+91-7838701382***

परम पूज्यनीय स्व. श्रीमती वेद कुमारी छिब्बर के जन्म-दिवस पर शत्-शत् नमन

पूज्यनीय मम्मी जी हम सब परिवार वालों ने यह तय किया था कि आपके जीवन का खुबसूरत 90 साल का लम्हा 1 अप्रैल को एक Memorable Event के रूप में मनाएंगे, पर माँ आपने 23 दिसंबर 2016 को ही हमसे चुपचाप अलविदा कर ली।

हम चलते रहे अपनी धुन में पर माँ आँखों की चमक, होठों की हँसी न जाने क्यों जन्म–दिन से पहले ही चली गई? जो बाँटती रही अपनी खुशहाली वही माँ बिना उफ् किए चली गई।

माँ एक–एक कर छोड़ चले जाते हैं जब दूर कहीं दे जाते आँसू, आहें और यादें कई
माँ अब तेरी याद में यूँ ही रोना होगा,
अब की बार तो तन्हा ही रोना होगा।

इस सच्चाई से वाकिफ होना होगा,
इस मिट्टी से उठें हैं।

जिसकी छांव में बरसों बैठे थे कभी,
पेड़ इस संसार में अब कहाँ होगा।

अपनी खैर बस सोच अपना होगा,
हर पल मेरे लिए सोचने वाला, अब कहाँ होगा।

तेरे बगैर खुश रहूँ, यह कुदरत का करिश्मा होगा,
करिश्मा अगर न हुआ तो, तेरी बेटी का जीना बड़ा मुश्किल होगा।

काश स्वर्ग में कुछ मिलने का समय होता तो आपका भरा–पूरा परिवार वहीं पर आकर आपका जन्मदिन मनाता व हम फूलों से आपको भर देते क्योंकि फूल आपको बहुत प्रिय थे। माँ मुझे याद है जब भी आपका बड़ा बेटा श्री प्रमोद दत्ता जी (Vice President GMS) आपसे मिलते तो आपको खूबसूरत फूलों का सजा हुआ गुलदस्ता देना न भूलते और वह आप हमेशा अपने कमरे में रखते।

माँ आपने जीवन–पर्यंत अपने सभी दामादों व बेटियों को बेटा ही समझा। आपने कभी भी Gender Discrimination नहीं किया।

माँ मुझे याद है आप हमेशा कहती रहती थी कि मैं प्रमोद दत्ता जी दा एहसान सारी जिंदगी नहीं चुका सकती। दत्ता जी देवता बन के हमारे परिवार में आए है, इस शख्स ने Bakshiji दी वी बहुत सेवा कीती है। भगवान सब नू सदा खुश व सुखी रखे।

माँ आपके आदर्श हमारे लिए सदैव श्रेष्ठ आदर्श रहेंगे–ना आदर्श मरते है न आदर्श व्यक्तित्व। वो अपने आदर्शों के विशालवट वृक्ष की हजारों शाखाओं में जीवत रहते है। हम आपके इस आदर्श वट वृक्ष को पल्लवित करते रहेंगे, जिससे ये जीवनपर्यंत हमारा मार्ग दर्शन कर सके।

माँ was a loving mother wonderful human being who lived her life to the fullest. She taught us how to face any situation with courage, dignity grace and humor. She will be missed deeply by all of us and will forever remain in our memories. May God grant eternal peace to her nobel soul.

माँ आपके जन्म–दिवस पर आपकी बेटी रेखा बक्शी मिश्रा एवं दामाद (पुत्र) श्री रविश मिश्रा, 196, समाचार अपार्टमेंट, मयूर विहार, दिल्ली (9818224341) की तरफ से मोहयाल आश्रम हरिद्वार लंगर फंड के लिए ग्यारह हज़ार रुपए भेंट कर रहें हैं।

लंगर तिथिः 01 अप्रैल

आपकी याद में- ***मोना छिब्बर शर्मा (बेटी)***
वसंत कुंज, नई दिल्ली (मो.) 9971108984

श्रद्धांजलि भाई डॉ. महावीर छिब्बर जी

मोहयाल मित्र मासिक के अंक 1 जनवरी 2017 के माध्यम से ज्ञात हुआ कि महान् विद्वान प्रसिद्ध समाज सेवी एवं कुशल राजनीतिज्ञ डॉ. भाई महावीर छिब्बर जी का स्वर्गवास दिनांक 03.12.2016 को हो गया। डॉ. भाई महावीर जी प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी भाई परमानन्द के सुपुत्र थे। मध्यप्रदेश के राज्यपाल के पद पर वे सन् 1998 से 2003 तक सुशोभित रहे। इसके अतिरिक्त वे विभिन्न शिक्षण–संस्थाओं से भी जुड़े रहे तथा उन्होंने कई पुस्तकें भी लिखी।

डॉ. भाई महावीर जी जब मध्य प्रदेश के राज्यपाल थे तब मैं किसी कार्य से भोपाल गया था लेकिन दुर्भाग्यवश उनके दर्शन नहीं कर सका। इस बात का मुझे अफ़सोस है। डॉ. भाई महावीर जी के निधन से देश व हमारे समाज को महान क्षति हुई है। मैं इस महान आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ तथा श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

भाई प्रेमसागर छिब्बर, *अर्जुनपुरवा, लखीमपुर–खीरी, उ.प्र.*

अप्रैल-मई व्रत-त्योहार

04 अप्रैल–राम नवमी, 07 अप्रैल–एकादशी, 09 अप्रैल–महावीर जयंती, 10 अप्रैल–चैत्र पूर्णिमा, 12 अप्रैल–वैशाख शुरू, 13 अप्रैल–बैसाखी, 14 अप्रैल–गुड फ्राइडे, 22 अप्रैल–वल्लभाचार्य जयंती, 26 अप्रैल–वैशाख अमावस्या, 28 अप्रैल–अक्षय तृतीय, परशुराम जयंती।

एक मई–मज़दूर दिवस, 10 मई–बुद्ध पूर्णिमा, 11 मई–ज्येष्ठ माह शुरू, 22 मई–भद्रकाली एकादशी, 25 मई–ज्येष्ठ अमावस्या, 29 मई–विनायक चतुर्थी (व्रत)

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

आजादी

उस आजादी का क्या मतलब,
हंगामा करना कोई काम नहीं।
नादान सही, नासमझ भी हो,
ऐसा करना कोई शान नही।

खून के आँसू दिल रोता है,
भारत माँ का सम्मान नहीं।
सोच समझ कर बातें बोलो,
समझ तुम्हें क्यों राम नहीं।

दिल का दर्द जुबां पर आया,
ये कोई अभिमान नहीं।
देश धर्म से सदा है ऊँचा,
तुम्हें इसका अनुमान नहीं।

पढ़ो लिखो होनहार बनो तुम,
लेना खुद पर इल्जाम नहीं।
भारत माँ के टुकड़े जो चाहे,
वो उसकी सन्तान नहीं।

अधिकार कर्त्तव्य दोनों है साथी,
इतना भी क्या ज्ञान नहीं।
तुम गुदड़ी के लाल हो सुषमा,
तुम कोई बुरे इन्सान नहीं।

सुषमा बाली,
मकान नं. 30, ऋषि विहार, छावला एक्स., नजफगढ़,
नई दिल्ली–110071
मो. 9818967830

लड़कियाँ

संयत भीड़ से देख रहा है
कोई मन पर हाथ धरे
कितनी भोली लगती है ये
खड़ी रैंप पर लड़कियाँ!

होश में दिखती है क्या तुम को
ये जो हैं कॉलेज वाली
चिल्लाती हैं देखो कैसे
खड़ी सड़क पर लड़कियाँ!

इनको होश नहीं होता है
क्या अपने लड़की होने का
पिटती जब लड़कों के हाथों
बीच सड़क पर लड़कियाँ!

सहानुभूति से ही देखा है
इनकी चंचलता को मैंने
बिना उचित संवाद के कितना
भटक रही हैं लड़कियाँ!

भार समझने की इनको जो
भूल हैं हम करते आए
जिम्मेदारी से पीछे नहीं
कभी हटी हैं लड़कियाँ!

मुझको नहीं मलाल तनिक
तीन लड़कियाँ हैं मेरी
वातावरण खुले में ही जो
पली बढ़ी हैं लड़कियाँ!

पूरनचंद बाली, *सी–1606, आबेराय स्पलैण्डर जेवीएल रोड, जोगेश्वरी (पूर्व), मुम्बई–400060, फोनः 42954385*

12 मार्च मोहयाल ब्राह्मण समाज 125वाँ स्थापना दिवस विशेष

फिर स्थापित करें वही आन-बान-शान

■ जी.के. छिब्बर

12 मार्च को दिल्ली के ताल कटोरा स्टेडियम में मोहयाल ब्राह्मण समाज का 125वाँ स्थापना दिवस एवम् 52वाँ ऐतिहासिक राष्ट्रीय अधिवेशन होने जा रहा है। वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.डी. बाली ने लगभग 40 वर्ष पूर्व इसकी कमान संभाली थी। इस अरसे में जनरल मोहयाल सभा ने कई रचनात्मक कार्य करते हुए अपनी पूर्वकालीन सांस्कृतिक, सामाजिक सौहार्दता एवम् देशभक्ति की भावनाओं का प्रमाण दिया है। उसका लक्ष्य है कि मोहयाल वर्ग मज़बूती के साथ अपनी परंपराओं को आगे बढ़ाता रहे, वहीं अभिभावक नई पीढ़ी में भी अपनी अदम्य श्रम–शक्ति की भावना संचारित करें।

हम कौन थे क्या हो गए हैं और क्या होंगे अभी।
आओ विचारें आज मिलकर ये समस्याएँ सभी।।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की ये काव्य पंक्तियाँ हमें मोहयाल ब्राह्मण वर्ग के मानवधर्मी, देशभक्त, रणबांकुरे शहीदों की यादें ताज़ा करने के साथ, इस बात पर मंथन करने को विवश करती हैं कि देश की सदियों पुरानी विचारधारा, संस्कृति, धर्म और दायित्व सिरे से नदारत होते जा रहे हैं। काश, जन–जन के तन–मन में आज भी वे प्राच्य विचार–भाव प्रस्फुटित होते, तो न सिर्फ़ मोहयाल ब्राह्मणों की आन–बान और शान अब तक गगनचुंबी होती, बल्कि भारत को उन देश–दुलारों के सपनों की धरती बना चुके होते। यदि वास्तव में हमें अपने पथ–प्रदर्शकों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करना है, तो उनके द्वारा प्रशस्त मार्ग का अनुसरण करते हुए निरंतर आगे बढ़ना होगा और उनकी इच्छाओं को साकार रूप देने का संकल्प लेना होगा। यह अवसर है, मोहयाल ब्राह्मण समाज के 125वें स्थापना दिवस एवं 52वें ऐतिहासिक राष्ट्रीय अधिवेशन का। इस मौके पर उन जांबाज़ शूरवीरों की गाथाओं का पुर्नपाठ करना ज़रूरी है, जिन्होंने हमें देश प्रेम एवम् मानवधर्म का सच्चा पाठ पढ़ाया।

सप्तऋषियों की संतान– मोहयाल ब्राह्मणों का संबंध महाभारत, रामायणकाल से रहा है, परंतु पाँच हज़ार वर्ष पूर्व इनका विस्तार हो गया था। मोहयाल सप्तऋषियों की संतानें हैं– भृगु, भारद्वाज, पाराशर, कश्यप, वशिष्ठ, कौशल, धनवंतरि की संतानें–क्रमशः छिब्बर, दत्त, बाली, मोहन, लव, भिमवाल एवम् वैद सात जातियाँ बन गईं, जो कि मोहयाल ब्राह्मणों का समूह कहा जाता है।

निभाया सच्चा धर्म– कभी–कभी इतिहास का पुनरावलोकन वे यादें ताज़ा कर देता है, जो वर्तमान में ग़लत दिशा पकड़ने वाले विचारों के लिए एक दुरुस्त सबक का काम कर देते हैं। शायद कम लोगों को ही पता होगा कि 10 अक्टूबर, 650 ई. में कर्बला की जंग में पैग़ंबर हज़रत मोहम्मद साहब के नवासे हज़रत इमाम हुसैन का पलड़ा दुश्मनों के मुकाबले हलका पड़ रहा था, तब दत्त हिंदू ब्राह्मणों ने जान की परवाह किए बग़ैर उनका साथ दिया था। जब कि कोई भी मुसलमान शासक इमाम हुसैन के साथ नहीं था। हैरतअंगेज़ यह कि उस युद्ध में शहीद हुए इमाम हुसैन साहब की शहादत का बदला लेने की लड़ाई में मोहयाल ब्राह्मण रहाब दत्त के सात पुत्र शहीद हो गए थे। तभी से दत्त ब्राह्मणों को 'हुसैनी ब्राह्मण' का दर्जा दिया गया। 1926 में लखनऊ के साप्ताहिक अख़बार 'अलनातिक' में प्रकाशित एक लेख के अनुसार दत्त ब्राह्मण

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

के इन पूर्वज को अरबों ने 'राहब' संबोधन दिया था। दत्त ब्राह्मणों की शूरवीरता ऐतिहासिक गाथा के रूप में सदियों से चली आ रही है। इस गाथा में उल्लेख है कि राहब का असली नाम सिंधभोग दत्त था। वे अरब में रहते थे और उन्हें सुल्तान की उपाधि मिली थी। उनके क़बीले को मीर साधानी भी कहा जाता है और उनका गोत्र भारद्वाज था। अंत में यह भी लिखा है कि अपने इमाम हुसैन की संतान एवं अनुयायी दत्त ब्राह्मणों को कभी न भुलाएँ।

एक प्राच्य आलेख के अनुसार महाभारत युद्ध के बाद द्रोणाचार्य की संतान अरब देश, मध्य एशिया, अफ़गानिस्तान और काफ़िरिस्तान (अफ़ग़ानिस्तान में) में जाकर आबाद हो गई थी। पंजाब एवं गुजरात की 1868 की बंदोबस्त की सरकारी रिपोर्ट में मिर्ज़ा मुहम्मद अज़ीम बेग ने लिखा है कि दत्तों के एक पूर्वज कर्बला युद्ध के बाद दीनानगर, सियालकोट (अब पाकिस्तान में) जाकर बस गए थे। बाद में शेरशाह सूरी के शासनकाल में वे रोहतास (बिहार) और करियाला (अब पाकिस्तान) में आकर रहने लगे। वहीं इस्लामाबाद विश्वविद्यालय में अफ़गानिस्तान के हिंदू शासकों के इतिहास पर प्रकाशित एक पुस्तक में लिखा है कि हिंदू सेना के एक जनरल ने यज़ीद (जिसके साथ हुई जंग में इमाम हुसैन और 'सिंधभाग' के सात पुत्र शहीद हुए) की हत्या थी। यही कारण है कि दत्त ब्राह्मणों (जिन्हें हुसैनी ब्राह्मणों का ख़िताब दिया गया था) के शिया मुसलमानों से गहरे संबंध रहे हैं।

फहराया पराक्रम का परचम– मोहयाल ब्राह्मण कभी अपनी गर्दन नहीं झुकाते। मान–सम्मान के लिए मर–मिटते हैं। मोहयाल वीर पराक्रमी कौम है, अतः कालांतर में उन्होंने देश की रक्षा का दायित्व निभाया। भारत में आततायियों का प्रवेश एवम् अधिकांश विदेशी आक्रमण उत्तर भारत से ही होते थे। इस स्थिति को ध्यान में रखकर मोहयाल ब्राह्मणों ने सेना एवं पुलिस में ही अपना नियोजन किया। ब्रिटिशकाल में भी, चूँकि मोहयाल ब्राह्मण लंबे–चौड़े, साहसिक एवं रोबीले होते थे, इसलिए अंग्रेज़ों ने भी उन्हें सेना में प्राथमिकता दी। इतनी ही नहीं, अंग्रेज़ों ने एक विशेष गजेटियर निकाला कि मोहयाल ब्राह्मणों को ही सेना एवम् पुलिस में प्राथमिकता से भर्ती किया जाए। आज भी इस क़ौम के 30 प्रतिशत व्यक्ति सेना और पुलिस में नियुक्त हैं। सेना अधिकारियों ने अनेक वीरता पदक प्राप्त किए हैं।

ब्रिटिश अधिकारी पी.टी. रसेल ने अपनी पुस्तक 'द हिस्ट्री ऑफ दि मोहियाल्स, द मार्शल रेस ऑफ इंडिया' में लिखा है कि मोहयाल पंजाबी ब्राह्मण ऐसा संप्रदाय है, जिस पर पूरा पंजाबी समाज गर्व कर सकता है। ऐतिहासिक रूप से ये पंजाब और अफ़ग़ानिस्तान के शासक रहे हैं, जिनकी रियासत अरब और पर्शिया तक रही। गोरा रंग, बलिष्ठ शरीर, लंबा कद इन ब्राह्मणों की पहचान है। आज भी ये अधिकांश बड़े सरकारी ओहदों और व्यावसायिक ओहदों पर विराजमान हैं। मोहयाल ब्राह्मण सिर्फ़ हिंदू ही नहीं, बल्कि मुसीबत के समय अपने योगदान और बलिदान के लिए मुस्लिम और सिख समाज में भी सम्मानित रहे हैं। नवंबर 1675 में औरंगज़ेब के साथ दिल्ली की लड़ाई में सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर के साथ शहीद–भाई सतीदास, भाई मतिदास और भाई दयाल दास तीनों ही मोहयाल ब्राह्मण थे, जो मुग़ल सेना के साथ होने वाले युद्ध में सेना का नेतृत्व करते थे। प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. हरि राम गुप्ता के अनुसार पंजाब की शाही ब्राह्मण वंशावली, जिसने पंजाब, सिंध और अफ़गानिस्तान पर 500 वर्ष तक राज किया, वे सभी मोहयाल ब्राह्मण थे। इन शाही ब्राह्मणों से अक्सर पिटकर लौट जाता था। 10वीं शताब्दी में इन ब्राह्मणों का साम्राज्य वजीरिस्तान (पाकिस्तान) से सरहिंद (पंजाब, भारत) और कश्मीर से मुल्तान (पाकिस्तान) तक था। इसके अलावा शाहपुर (दक्षिण–मध्य राजस्थान) की रियासत के इलाक़े भी इनके क़ब्ज़े में थे। बहरहाल, शक्तिमान, दिलेर ब्राह्मण मोहयाल का इतिहास पुख़्ता और लंबा है। एक बार में बयां नहीं किया जा सकता।

अंग्रेज़ों से लोहा लिया– भारतीय स्वाधीनता संग्राम में भी मोहयाल ब्राह्मणों ने सक्रियता से भाग लिया। भाई परमानंद, भाई बालमुकंद जैसे क्रांतिकारी, पंडित अमीर चंद भीमलाल बक्शी, लालचंद छिब्बर, रामरखा बाली, बैरिस्टर चौधरी रामभज दत्त, श्रीमती यशोदा देवी दत्त, ओम प्रकाश दत्त, अविनाश बाली एवम् सुभद्रा जोशी दत्त स्वाधीनता सेनानी रहे। भारतीय सेना में कई जनरल मोहयाल थे लेफ्टिनेंट जनरल ज़ेड.सी. बक्शी, ले.जनरल एम.एल. छिब्बर, ले. जनरल बी.के.एन. छिब्बर (पूर्व राज्यपाल पंजाब), ले.जनरल वी.डी. मेहता, ले.जनरल एम.सी. दत्त आदि प्रमुख जांबाज़ अधिकारी रहे हैं। वर्तमान में भी ले.जनरल प्रवीण बक्शी, जो कि सेना अध्यक्ष के वरिष्ठतम दावेदार थे, लेकिन उन्हें अनदेखा कर जनरल रावत को सेना का अध्यक्ष बनाया गया। इसी तरह एयरफ़ोर्स, नेवी में भी उच्चतम पदों पर मोहयाल अधिकारी हैं। पुलिस विभाग में ज्ञानपद बाली का इतिहास सर्वविदित है, जो आज़ादी के बाद नेहरू युग में जम्मू–कश्मीर में प्रभावी पुलिस अधिकारी रहे हैं।

फिल्म उदयोग में अभिनेता सुनील दत्त, नरगिस दत्त, ओम प्रकाश छिब्बर, गीतकार आनंद बक्शी, एवं फिल्म निर्माता जे.पी. दत्त, गीता बाली, लारा दत्त, दिव्या दत्त फिल्म उदयोग के चर्चित चहरे हैं।

पंडित संतराम वैद, मंत्री केहलूर स्टेट (बिलासपुर, शिमला हिल्स ब्रिटिशकाल), भाई महावीर दो बार सांसद एवम् मध्यप्रदेश के राज्यपाल, बी.के.एन. छिब्बर पंजाब के राज्यपाल और स्व. श्री एस. के. छिब्बर आई.ए.एस. मिजोरम के उपराज्यपाल रह चुके हैं।

भारत की पहचान दुनिया में कृषि प्रधान देश की रही है। प्रारंभिक तौर पर मोहयाल का उदयोग भी कृषि ही रहा। मोहयाल ब्राह्मण दान–दक्षिणा नहीं लेते, पंडिताई का काम नहीं करते। वे बौद्धिक एवम् श्रमसाध्य कार्यों में रुचि रखते हैं। काई भी मोहयाल ब्राह्मण निर्धन स्थिति में नहीं दिखाई देगा। भारत विभाजन की त्रासदी सहने के पश्चात भी आज मोहयाल ब्राह्मण पूर्ण स्थापित होकर गौरवपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

मोहयाल ब्राह्मण प्रमुख रूप से उत्तर भारत में ही बसे हैं। लाहौर, रावलपिंडी (पाकिस्तान) इनके प्रमुख केंद्र रहे थे, लेकिन विभाजन के बाद उन्हें भारत के विभिन्न शहरों में बसना पड़ा, जिसमें–दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, जम्मू–कश्मीर, हिमाचल प्रदेश में ही अधिकांश मोहयाल बसते गए।

मोहयाल ब्राह्मण समाज प्रयासरत है कि वह न सिर्फ़ मोहयाल वर्ग, अपितु संपूर्ण समाज और देश के विकासार्थ अपनी ऐतिहासिक पहचान के अनुरूप यथा संभव बेहतर कार्य करता रहे। 1998 में समाज दवारा हरिदवार में सुसज्जित आश्रम स्थापित किया गया। कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, दिल्ली में मोहयाल फाउंडेशन शुरू किया गया, वहीं इंद्रपुरी, दिल्ली एवं चंडीगढ़ में समाज का भवन है। एक आश्रम वृंदावन में है। इनके अलावा देश के कई अन्य शहरों में भी समाज की ऐसी गतिविधियाँ चल रही हैं। संस्था प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं को प्रतिवर्ष सम्मानित करती है। छात्रवृद्धि देती है। वृद्धावस्था पेंशन सुविधा देती है। दिल्ली, हरिदवार में बच्चों के लिए प्राथमिक स्कूल भी है। इसी तरह के प्रयास अन्य शहरों में भी किए जा रहे हैं। ■

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor